लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, गोण्डा
राष्ट्रीय सेवा योजना
सत्र 2020–21 के सामान्य (नियमित) कार्यक्रम की रिपोर्ट

वर्तमान सत्र 2020–21 प्रारम्भ हुआ। प्रवेश एवं विश्वविद्यालयीय परीक्षा का परिणाम घोषित होने के पश्चात महाविद्यालय के कला, वाणिज्य, एवं विज्ञान संकाय के स्नातक स्तर के छात्र/छात्राओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना का पंजीकरण फार्म भर कर प्रवेश हेतु आवेदन किया। प्राप्त आवेदनों की जांच के प्रश्चात साक्षात्कार के उपरान्त प्रथम इकाई, द्वितीय इकाई, तृतीय इकाई एवं चतुर्थ इकाई हेतु सौ–सौ (100–100) छात्र/छात्राओं का चयन किया गया। इस प्रकार कुल 100X4=400 छात्र/छात्राओं का चयन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य राष्ट्र सेवा ही है। राष्ट्र सेवा के लिए भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहें विभिन्न अभियानों को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों द्वारा प्रचार–प्रसार एवं जागरूकता फैलाना है। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का सन्देश देने के लिए स्वच्छता कार्यक्रम चलाना, महाविद्यालय प्रांगण की साफ–सफाई, चयनित गाँव की मलिन बस्तियों में जाकर स्वच्छता की अलख जगाना, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं का सन्देश देने के लिए बालिका शिक्षा पर बल देना तथा कन्या भूण हत्या का विरोध करना, महिला सशक्तिकरण के लिए बालिका शिक्षा पर प्रकाश डालना व निबन्ध प्रतियोगिता कराना, भारत सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में ग्रामीणों को बताना तथा आयुष्मान भारत योजना के लाभ के बारे में ग्रामीण अंचल के लोगों को बताना और उज्ज्वला योजना के बारे में भी लोगों को जानकारी देना तथा मतदान के लिए भी लोगों को जागरूक करना एवं अन्य अनेक प्रकार की जानकारी देना, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों के लिए आवश्यक बताया गया। ग्रामीण बेरोजगार युवकों के लिए मुद्रा योजना का लाभ लेने के लिए भी जागरूक करने के लिए बताया गया।

01 दिसम्बर, 2020 को 3 घण्टे तक महाविद्यालय परिसर एवं आस–पास की सफाई करायी गयी। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के परस्पर सम्बन्ध को सराहा।

04 दिसम्बर, 2020 को चयनित सभी छात्र/छात्राओं ने महाविद्यालय में स्वच्छता एवं साफ–सफाई पर एक गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें आस–पास का बदलता परिवेश भी गोष्ठी का मुख्य विषय रहा। इस संदर्भ में स्वयंसेवियों ने अपने विचार व्यक्त किये तथा आपस में विचारों का आदान–प्रदान भी किया।

05 दिसम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवियों ने चयनित बेनीनगर गाँव जाकर 4 घण्टे तक बागवानी करके पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण के महत्व को सराहा। उन्होंने ग्रामीणों को यह भी सन्देश दिया कि वृक्षारोपण का महत्व हमारे जीवन में बहुत अधिक हैं और वृक्ष काटने से हमारे पर्यावरण को काफी नुकसान होता है।

09 दिसम्बर, 2020 को 3 घण्टे का समय शिविरार्थियों को दिया गया, जिसमें कार्यक्रमाधिकारी एवं महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापक की उपस्थिति में खेती के बारे में भी चर्चा की गयी तथा विचारों का आदान–प्रदान हुआ।

11 दिसम्बर, 2020 को स्वयंसेवियों ने विज्ञान परिसर की साफ–सफाई का कार्य पूर्ण मनोयोग से 3 घण्टे तक किया एवं प्लास्टिक के उपयोग न करने की हिदायत दी गयी।

12 दिसम्बर, 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/छात्राओं ने एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया, जो उनके ज्ञान वर्धन के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा। क्विज प्रतियोगिता के विषय भी राष्ट्रीय सेवा योजना के विषय से सम्बन्धित ही थे। कार्यक्रमाधिकारियों ने स्वयं सेवकों में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा विकसित करने पर बल दिया।

14 दिसम्बर, 2020 को पुनः शिविरार्थियों ने अपने चयनित ग्राम बेनीनगर, मिश्रौलिया, पण्डितपुरवा एवं चमनपुरवा जाकर पल्सपोलियो अभियान की रैली निकाली और ग्रामीणों को पल्सपोलियों अभियान के माध्यम से पोलियो ड्रॉप पिलाने की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे कि ग्रामीण अंचल के लोग पोलियों से बचाव के लिए जागरूक रहें।

16 दिसम्बर, 2020 को 4 घण्टे का समय पुनः पण्डित पुरवा, चमनपुरवा, बेनीनगर एवं मिश्रौलिया ग्राँव में शिविरार्थियों ने दिया और स्वच्छता अभियान चलाकर नालियों एवं मलिन बस्तियों की साफ–सफाई की। उन्हें देखकर कुछ ग्रामीण महिला–पुरूषों ने भी अपने आस–पास साफ–सफाई का काम किया। इस प्रकार देखा गया कि यदि शिक्षित लोग साफ–सफाई के प्रति जागरूक होते हुए प्रतीकात्मक रूप में भी समाज सेवा करते है तो अशिक्षित एवं लापरवाह लोग भी उनका अनुकरण करके अपने आस–पास की गन्दगी को दूर करने के प्रति सजग एवं जागरूक हो जाते हैं।

18 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम मिश्रौलिया एवं चमनपुरवा में शिविरार्थियों ने एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जिसका उपदेश ग्रामीणों में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करना था, इसके लिए पूरे गाँव में छात्र/छात्राओं ने बैनर–पोस्टर लेकर मतदाता जागरूकता रैली निकाली साथ ही ग्रामीण महिला–पुरुषों को कृषि के लिए आवश्यक फर्टीलाइजर के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि बहुत अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का प्रयोग न करके बल्कि कम्पोस्ट खाद एवं बायो खाद का प्रयोग करें, जिससे कि कृषि योग्य जमीन की उर्वरा क्षीण न हो। ग्रामीणों ने भी राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/छात्राओं के विचार ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प किया।

19 दिसम्बर, 2020 को स्वयंसेवियों ने विज्ञान परिसर जाकर वहाँ साफ–सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्य किया। इस प्रकार 4 घण्टे का समय पर्यावरण सुरक्षा के लिए दिया। विद्यार्थियों ने इस विषय पर अधिक बल दिया कि अनेकों सामाजिक बुराईयों का अन्त केवल गुणवक्ता पूर्ण शिक्षा से ही हो सकता है।

21 दिसम्बर, 2020 को 4 घण्टे का समय महाविद्यालय परिसर में ही निबन्ध प्रतियोगिता के लिए समय दिया गया, जिसके शीर्षक भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही महत्वाकांक्षी योजनाएं थी। छात्र/छात्राओं ने अपने अनेकों उत्कृष्ट विचार निबन्ध प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यक्त किया। इन प्रतियोगिताओं से यह भी आकलन कर लिया जाता है कि स्वयंसेवियों के विचार समाज में भी पहुँचते रहें तो पूरा सामाजिक परिवेश बदला जा सकता है।

23 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्रॉव मिश्रौलिया, बेनीनगर, पण्डितपुरवा एवं चमनपुरवा जाकर स्वयंसेवियों ने 4 घण्टे तक ग्रामीणों के बीच में प्राथमिक चिकित्सा हेतु विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी दी। कोई भी दुर्घटना होने पर अज्ञानता वश ग्रामीण महिला–पुरूष प्राथमिक चिकित्सा के उपाय से अनभिज्ञ होने के कारण अपनी जान जोखिम में डाल देते है इसलिए उन्हें प्राथमिक उपचार के बारे में ज्ञान देकर छात्रों ने उत्कृष्ट ज्ञान दिया, जो सराहनीय रहा। गाँधी जी की पुण्य तिथि मनायी गयी।

नव वर्ष 02 जनवरी, 2021 को भी स्वयंसेवियों ने अपने चयनित गाँव चमनपुरवा में ही जाकर ग्रामीणों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी एवं उन्हें कृषि से सम्बन्धित बर्मी कम्पोस्ट के बारे में जानकारी दी जोकि उनके कृषि व्यवसाय के लिए अत्यन्त उपयोगी एवं महत्वपूर्ण है।

04 जनवरी, 2021 को छात्र/छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में 3 घण्टे का समय पोस्टर प्रतियोगिता में लगाया जिससे उनकी विभिन्न प्रकार की सृजनशीलता एवं विशिष्टता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदर्शित हुआ कि हमारे छात्र/छात्राएं विशिष्ट प्रतिभाओं के धनी भी है, जो पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से ज्ञात हुआ।

06 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय परिसर में 3 घण्टे का समय गीत–गजल प्रतियोगिता में दिया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और गायन एवं संगीत के प्रति उनकी रूझान देखी गयी। ऐसे आयोजनों से छात्र/छात्राओं में बहुमुखी प्रतिभा का विकास होता है तथा उनके जीवन में निरसता एवं निराशा दूर होती है अतः व्यक्तित्व विकास में संगीत एवं गायन का भी अपना महत्व देखा गया है।

08 जनवरी, 2021 को छात्र/छात्राओं ने बेनीनगर गाँव में 3 घण्टे तक आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिससे उनके विचार अभिव्यक्ति का लाभ ग्रामीणों को भी मिला और संकोच करने वाले स्वयंसेवियों में भी कुछ बोलने के लिए उत्साह पैदा किया गया।

09 जनवरी, 2021 को पुनः महाविद्यालय में छात्रों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया जिससे कि महाविद्यालय परिसर में लगातार साफ–सफाई के प्रति अभिरूचि बनी रहें और उनका जीवन निरोग रहें।

10 जनवरी, 2021 को स्वयंसेवियों ने मुख्य परिसर लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में 3 घण्टे तक समय साफ–सफाई का कार्य किया और परिसर को हमेशा साफ रखने का संकल्प लिया।

11 जनवरी, 2021 को शास्त्री जी की पुण्य तिथि के अवसर पर चयनित गाँव जाकर 8 घण्टे का समय एक दिवसीय शिविर के रूप में लगाया, जिसका उद्देश्य वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाना था। ग्रामीणों को भी वृक्षारोपण का महत्व बताया कि वे इस प्रकार से अधिक से अधिक पौधे लगाकर अपने भावी पीढ़ी को अच्छा पर्यावरण दे सकते है।

12 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मिश्रौलिया, बेनीनगर, पण्डितपुरवा एवं चमन पुरवा गाँव जाकर छात्रों ने 3 घण्टे ग्रामीणों में नशा मुक्ति के लिए जानकारी दी। उनको इस बात से अवगत कराया कि नशा हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक है तथा हमारी आर्थिक स्थिति भी चरमरा जाती है। यह गरीबों को और गरीब बनाती है तथा नशे का शिकार व्यक्ति अपने परिवार के पालन–पोषण एवं शिक्षा–दीक्षा में असफल रहता है।

14 जनवरी, 2021 राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/छात्रों ने महाविद्यालय के मुख्य परिसर में आकर साफ–सफाई की व वृहद स्वच्छता अभियान चलाया।

15 जनवरी, 2021 को 3 घण्टे का समय चयनित ग्राम पण्डित पुरवा को दिया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें उस गाँव के ग्रामीणों ने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया एवं छात्रों ने उन्हें पर्यावरण सुरक्षित करने के लिए जागरूक किया।

18 जनवरी, 2021 को छात्र/छात्राओं ने पुनः बेनीनगर गाँव जाकर लगभग 3 घण्टे नुक्कड़ नाटक का मंचन किया तथा नाटक के माध्यम से तमाम सामाजिक कुरीतियों एवं बुराईयों पर व्यंगात्मक प्रहार किया और यह भी संदेश देने का प्रयास किया कि अच्छी शिक्षा लेकर प्रत्येक नागरिक तमाम सामाजिक बुराईयों कुरीतियों एवं अंधविश्वास से मुक्त होकर अपने अन्दर एक तर्कसंगत विचार एव वैज्ञानिक प्रवृत्ति पैदा करता है। उसकी सोच में वैज्ञानिकता का संचार होता है और जीवन में गुणवक्ता भी आती है।

20 जनवरी, 2021 को छात्र/छात्राओं ने मिश्रौलिया, बेनीनगर, चमनपुरवा, पण्डितपुरवा गाँव जाकर 4 घण्टे तक लिंक मार्ग की साफ–सफाई की, जिससे की ग्रामीणों का आना–जाना सुगम हो सकें। छात्रों ने लिक मार्ग की सफाई करके ग्रामीणों को यह सोचने के लिए विवश कर दिया कि जब शिक्षित विद्यार्थी बिना स्वार्थ के दूसरे गाँव की साफ–सफाई कर सकते है तो जिन ग्रामीणों को आवश्यकता है वे यह कार्य क्यों नहीं कर सकते। राष्ट्रीय सेवा योजना का यह लक्ष्य भी है कि हम कुछ ऐसा करें जिसका अनुकरण ग्रामीण महिला–पुरूष करें एवं अपनी समस्याओं से मुक्ति पाये।

21 जनवरी, 2021 को स्वयंसेवियों द्वारा चयनित ग्राम जाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम चलाया जिससे कि वे स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण समय रहते कर लें और अपना जीवन निरोगी बनाये रखें क्योंकि बिना स्वास्थ्य परीक्षण के वे अचानक कभी भीषण बीमारी का शिकार हो सकते है। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि समय रहते स्वास्थ्य परीक्षण करा लेना उनके लिए हितकर होगा।

22 जनवरी, 2021 को 3 घण्टे का कार्यक्रम चयनित ग्राम के लिए पुनः रखा गया तथा विशेषज्ञ डॉक्टर के द्वारा ग्रामीणों को एड्स रोग से बचाव से सम्बन्धित सुझाव दिये गये। अनभिज्ञ ग्रामीण असुरक्षित यौन सम्बन्ध व संक्रमित व्यक्ति को लगी हुई सुई के इस्तेमाल करके कभी–कभी इस भयानक जानलेवा बीमारी का शिकार हो जाते है फिर इस असाध्य रोग से जीवन बचा पाना असम्भव हो जाता है। यह कार्यक्रम ग्रामीणों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण एवं जागरूक करने वाला रहा।

23 जनवरी, 2021, को राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में ही इक्ट्ठा होकर 3 घण्टे का समय निबन्ध प्रतियोगिता के लगाया, जिसका शीर्षक था लोकतन्त्र के विकास में युवाओं की भूमिका। निबन्ध प्रतियोगिता बहुत रूचिकर रहीं तथा युवाओं से सम्बन्धित थी इसलिए युवकों ने लोकतान्त्रिक विचारों पर एवं लोकतन्त्र की महत्ता को समझते हुए अपने विचार जोरदार ढंग से रखे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारियों के साथ–साथ महाविद्यालय के डॉ० मंशा राम वर्मा एवं डॉ० राम समुझ सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई, जिसमें अच्छे छात्रों में से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

25 जनवरी, 2021 को वृक्षारोपण के महत्व को समझते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/छात्राओं ने विज्ञान परिसर जाकर 3 घण्टे जाकर 3 घण्टे तक पहले से ही जो पौधा रोपण हो चुके थे उनकी देख–रेख की, उनकी निकाई, गुणाई एवं सिंचाई की। इस बात के लिए वे बिल्कुल तत्पर दिखे कि पौधा रोपण करना ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि समय–समय पर उनकी देख–रेख एवं सुरक्षा भी आवश्यक है।

02 फरवरी, 2021 को महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

04 फरवरी, 2021 को महाविद्यालय के कक्ष सं0–11 में कार्यक्रमाधिकारियों द्वारा बौद्धिक परिचर्चा की गई।

05 फरवरी, 2021 को छात्रों में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी सृजनात्मकता एवं सौन्दर्य बोध का प्रदर्शन किया। कुछ विद्यार्थियों ने तो बहुत ही सुन्दर एवं आकर्षक पोस्टर तैयार किये उनमें से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले को चयनित किया गया, जिससे कि बाकी प्रतिभागियों में प्रतिस्पर्धा का भाव जागृत हो।

08 फरवरी, 2021 को महाविद्यालय परिसर में 3 घण्टे का कार्यक्रम वाद–विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता के लिए रखा गया। जिनके शीर्षक 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं', 'सुकन्या समृद्धि योजना' एवं 'नारी सशक्तिकरण' तथा 'शिक्षा लोकतन्त्र' की मजबूती के लिए आवश्यक रहा।

10 फरवरी, 2021 को गोण्डा शहर के प्रमुख चौराहों पर 4 घण्टे का कार्यक्रम नुक्कड़ नाटक के लिए रहा। इसके माध्यम से छात्रों ने साफ–सफाई के बारे में लोगों को जागरूक किया तथा बालिका शिक्षा के लिए भी लोगों को प्रेरित किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज ने फैली कुरीतियाँ एवं बुराईयों पर भी कटाक्ष किया और सिद्ध किया की हमें अपने सामाजिक जीवन में वैज्ञानिक चेतना एवं सोच रखनी चाहिए तभी हम अपने जीवन में गुणवत्ता ला सकते है और समाज एवं राष्ट्र का विकास कर सकते है।

12 फरवरी, 2021 को लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के छात्रों द्वारा अपने चयनित गाँव की पुनः साफ–सफाई की गयी और ग्रामीणों को पुनः याद दिलाया कि वे अपने सफाई के प्रति जागरूक रहें क्योंकि स्वच्छता उनके स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। जागरूकता फैलाने के लिए छात्रों ने एक श्लोगन की वाल राईटिंग भी की। जैसे 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत'।

15 फरवरी, 2021 को स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय परिसर में 4 घण्टे का समय लिया जिसमें 'बेटी बचाओं–बेटी पढ़ाओं' शीर्षक पर निबन्ध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस शीर्षक पर छात्र/छात्राओं के नारी शिक्षा के विकास पर बहुत ही सकारात्मक विचार आये, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आज की पीढ़ी नारी सशक्तिकरण के लिए बेटियों की शिक्षा को महत्व देता है और वे वर्तमान युग में पुरुष

प्रधान समाज के तमाम मिथक तोड़ देने के लिए तैयार रहे एवं इस प्रकार स्त्री पुरूष में भेदभाव समाप्त हो सके।

17 फरवरी, 2021 को छात्रों ने विज्ञान परिसर जाकर 4 घण्टे तक रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की तथा उसी दिन आशुभाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और छात्रों ने अपने नये–नये विचार तर्क संगत ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रमाधिकारियों ने स्वयं सेवकों को प्रतियोगिता के लिए प्रेरित भी किया।

20 फरवरी, 2021 को पुनः छात्रों द्वारा विज्ञान परिसर जाकर 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं' की भूमिका शीर्षक पर निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया तथा अपने उत्कृष्ट विचार व्यक्त किये और कार्यक्रमाधिकारियों से आवश्यक दिशा–निर्देश भी प्राप्त किया।

22 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने गाँधी पार्क जाकर 3 घण्टे तक साफ–सफाई की एवं तमाम राष्ट्रीय मुद्दों पर बैठकर चर्चा की। इस प्रकार विद्यार्थियों में राष्ट्रीय मुद्दों एंव राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान के प्रति उत्साह प्रदर्शन किया।

23 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय के बी०एड० विभाग के परिसर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और वहाँ साफ–सफाई करके अपने महाविद्यालय की सुन्दरता एवं आकर्षण बढ़ाने में रूचि दिखाई।

24 फरवरी, 2021 को स्वयंसेवियों ने मुख्य परिसर में चार घण्टे का समय लिंग सम्वेदीकरण की परिचर्चा में लगाया जिसमें अनकों छात्रों ने समाज में लिंग भेद की समस्या पर चिन्ता व्यक्ति की और अपना विचार दिया यदि भारत को एक सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बनाना है तो बालक–बालिकाओं में भेद करना बन्द करना होगा तथा आधी अबादी अर्थात महिलाओं को समुचित शिक्षा एवं अधिकार देकर राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी बनाना होगा। यह भी बताया गया कि बालक बालिकाओं के प्रति भेदभाव की भावना समाप्त करना होगा।

25 फरवरी, 2021 को छात्रों ने महाविद्यालय परिसर में मतदान के महत्व को बताते हुए एक रैली निकाली जिससे महाविद्यालय के प्राचार्य ने झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रमाधिकारियों ने स्वयं सेवकों को मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

01 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सामान्य कार्यक्रम का अन्तिम दिन था जिसमें सत्र पर्यन्त किये गये सामान्य कार्यों का आकलन किया गया एवं सत्र भर किये गये कार्यों की सराहना की गयी एवं सामान्य कार्य में अच्छी सहभागिता एवं समर्पण एवं सेवाभाव के आधार पर विशेष शिविर के लिए छात्र/छात्राओं को चिन्हित किया गया।

Principal
Shri Lal Bahadur Shastri Degree College
Gonda

For Shiv Sharma

(प्रो0 शिव शरण शुक्ल)
वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI DEGREE COLLEGE GONDA
IQAC